Raj Express (Indore), 03rd April 2024, Page - 11

नवाचार

आईआईटी इंदौर में आधुनिक निर्माण पद्धति और भारतीय पारंपरिक ज्ञान के संयोजन से गोब्एयर विकसित

गर्मी में घर रहेंगे ठंडे, सर्दियों में गर्म रखने में मिलेगी मदद

गाय के गीले गोबर से होने वाली आय मौजूदा मूल्य 1 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर हो सकती है 4 रुपए प्रति किलोग्राम

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

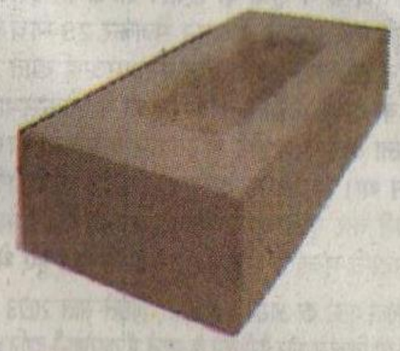

आईआईटी इंदौर ने पहली बार गोबर आधारित प्राकृतिक फोमिंग एजेंट; गोब्एयर नामक विकसित किया है। इसे अब कांक्रीट जैसी आधुनिक निर्माण सामग्री में मिलाया जाता है, तो यह हल्का हो जाता है। थर्मल इन्सुलेशन को बेहतर बनाता है और इसकी लागत कम हो जाती है। यह नवाचार गाय के गोबर की प्राकृतिक शीतलता को एकीकृत करता है और गर्मियों के दौरान घरों को ठंडा व सर्दियों के दौरान गर्म रखने में मदद करता है। इसके फायदे गाय के गोबर के पारंपरिक रुप से संबंधित गुणों तक सीमित नहीं है। यह नया उत्पाद पूरी तरह से प्राकृतिक है और मार्केट में उपलब्ध रासायनिक-आधारित फोमिंग एजेंटों की तुलना में कहीं अधिक पर्यावरण हितैषी व किफायती है।

निर्माण सामग्री की तुलना में 24 प्रतिशत कम लागत: यह प्रौद्योगिकी प्रोफेसर संदीप चौधरी व उनके पीएचडी स्टूडेंट संचित गुप्ता ने विकसित की है। प्रोफेसर चौधरी ने बताया हम गाय के गोबर से अधिक आय उत्पन्न करने व आवारा पशुओं के प्रबंधन में गौशालाओं की सहायता करने के तरीकों व साधनों पर काम कर रहे थे। इस तरह गोब्एयर विकसित किया गया। गोब्एयर हल्के कांक्रीट को सक्षम बनाता है, जिसे व्यावसायिक रुप से उपयोग की जाने वाली निर्माण सामग्री की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत कम लागत पर उत्पादित किया जा सकता है। यह उत्पाद बाजार में उपलब्ध लाल मिट्टी की ईंटों व फ्लाई ऐश ईंटों की तुलना में अधिक किफायती व गुण प्रदर्शित कर रहा है। यदि फायदे का मौद्रिक मूल्य में आंकलन किया जाए तो गाय के गीले गोबर से होने वाली आय मौजूदा मूल्य 1 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 4 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक हो सकती है।

पहले ही फाइल कर दिया है पेटेंट

टीम वर्तमान में एक विनिर्देश तालिका विकसित करने पर काम कर रही है जिसे निर्माण उद्योग कांक्रीट में गोब्एयर जोड़ने के लिए तैयार संदर्भ के रूप में उपयोग कर सकता है। इसके बाद उत्पाद को आसान पहुंच के लिए दरों की अनुसूची के तहत सूचीबद्ध करने के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही टीम इससे बने भवन निर्माण उत्पादों के हरित उत्पाद प्रमाणन के लिए आईजीबीसी के भी संपर्क में है। इसके साथ, इस नई प्रौद्योगिकी के लिए एक पेटेंट पहले ही फाइल कर दिया गया है।

पर्यावरण के लिए अनुकूल

उन्होंने बताया निर्माण के लिए टिकाऊ सामग्री की एक विस्तृत श्रंखला का उत्पादन करने के लिए गोब्एयर को कांक्रीट, ईंटों, टाइलों व ब्लॉकों में मिलाया जा सकता है। इसका उपयोग करके निर्माण पर्यावरण के अधिक अनुकूल होगा और जीआरईएचए, एलईईडी और आईजीबीसी जैसी हरित भवन रेटिंग में अधिक अंक प्राप्त करने में सहायक होगा।